मेवात | मेव आन्दोलन → 1932

↳ नेतृत्व → मोहम्मद अली

↳ मोहम्मद हादी : अंजुमन खादिम उल-इस्लाम का गठन किया

समाप्त → 1934 → यासिन खाँ के नेतृत्व

कारण → सुअरों पर मारने पर रोक

↳ बेगार प्रथा

↳ अलवर के राजा जयसिंह को निष्कासित कर दिया।

बुन्दी किसान आन्दोलन → 1922

नेतृत्व → नयनुराम शर्मा

माणिक्यलाल वर्मा ने
↳ अर्जीगीत गाया

स्थानीय आन्दोलन का नेतृत्व → स्वामी नित्यानन्द

महिलाओं का नेतृत्व → अंजना देवी चौधरी

लाग → 25 / 53 प्रकार

बरड़ क्षेत्र : बुन्दी से बिजोलिया के बीच का पथरिला भाग

डाबी काण्ड / डाबी आंदोलन : 2 अप्रैल 1923 थानेदार इकराम हुसैन ने गोलियां चलवायी → शहीद : नानकजी भील / देवी लाल गुर्जर

→ 1925 में समाप्त आंदोलन

बेंगु किसान आन्दोलन → 1922 (चित्तौड़गढ़)

↳ प्रारम्भ → मैनाल भीलवाड़ा

लाग → 25 प्रकार

नेतृत्व : विजय सिंह पथिक के कहने पर रामनारायण चौधरी ने किया

महिलाओं का नेतृत्व → अंजना देवी चौधरी

→ इस आन्दोलन में हुये समझौते को बोल्सेविक समझौता कहा गया

बेंगु का सामन्त → अनुप सिंह के साथ राज सेवा संघ का पारलोली समझौता

→ आयोग :- स्टैंच्य आयोग

→ गोविन्दपुरा गांव : 13 July 1923 : स्टैंच अंग्रेज अधिकारी ने गोलियां चलवायी

→ शहीद → रूपा जी धाकड़ और कृपा जी धाकड़ शहीद

1925 : राजस्थान सेवा संघ के साथ समझौता

→ प्रताप, राजस्थान समाचार, नवीन राज० पत्रिका पर रोक लगा दी

इन पत्रिकाओं के माध्यम से महाराणा फतेह सिंह को अपने अधिकार वापस लेने को कहा

शेखावटी किसान आन्दोलन →

↳ पंच पाने :- बिसाऊ, डुण्डलोद, मल्सीसर, मण्डावा, नवलगढ

नोट → पंच पाने :- BKNR महाराजा सार्दुल सिंह ने अपने पांच पुत्रों को अलग-2 जागीर दी

→ अकाल आन्दोलन का नेतृत्व → नरोतम लाल जोशी

→ 1918 → चिड़ावा सेवा समिति की स्थापना

→ शेखावटी किसान आन्दोलन की शुरुआत → सीकर से

नोट → शेखावटी आन्दोलन का मामला इंग्लैण्ड की संसद हाउस ऑफ कॉमन्स में गुंजा

→ आन्दोलन को संसद में उठाने वाला → लॉरेंस

→ पत्रिका → डेली हेराल्ड में छपी

→ 1931 → जाट क्षत्रिय महासभा की स्थापना और इस सभा का समर्थन देश राज ने किया

→ शेखावटी किसान आन्दोलन का प्रमुख नेता → गोविन्द राम

→ 1934 में जाट प्रजापति महायज्ञ का आयोजन

1933 → पलथाना सीकर में अधिवेशन

→ 1918 में चिड़ावा के गांधी प्यारेलाल गुप्ता ने अमर सेवा समिति की स्थापना

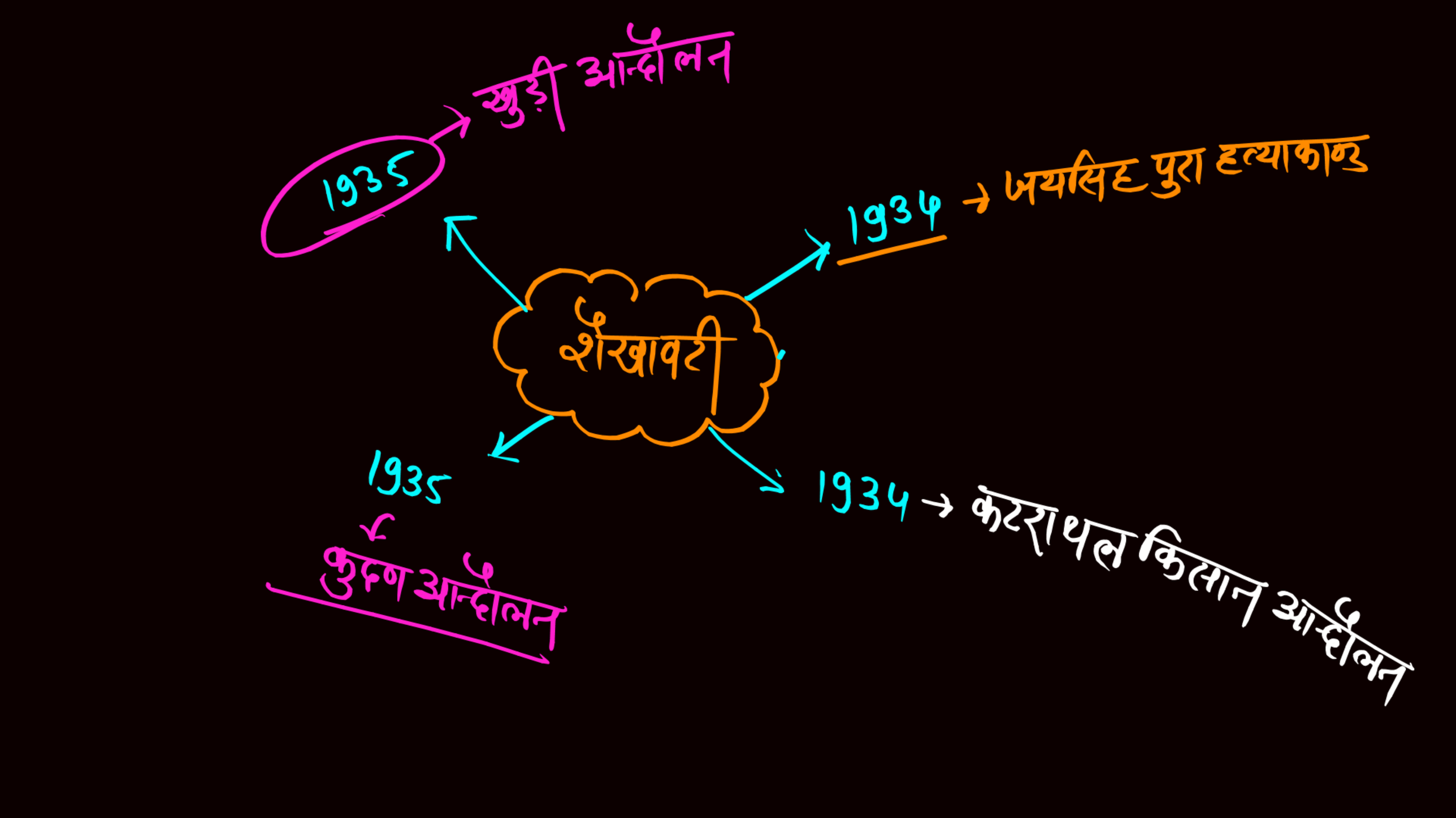
शेखावटी
1935 → खुड़ी आन्दोलन
1934 → जयसिंह पुरा हत्याकाण्ड
1935 → कुदन आन्दोलन
1934 → कटराथल किसान आन्दोलन

कटराथल किसान आन्दोलन → 1934

कारण : सिहोट के ठाकुर मान सिंह ने महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार किया

कटराथल में 10,000 जाट महिलाएं एकत्रित हुयी

महिलाओं का नेतृत्व → किशोरी देवी → हरलाल की पत्नी

ओजस्वी भाषण → उतमा देवी → देशराज की पत्नी

जयसिंहपुरा हत्याकाण्ड → 1935 :-

↳ यहां के ठाकुर ईश्वरी सिंह किसानों पर अत्याचार किये

↳ यह जयपुर रियासत का पहला मुकदमा

खुड़ी आन्दोलन :- 1935 : लार्ड वेब ने इस गांव मे लाठी-चार्ज किया।

↳ 5 किसान शहीद हुये (रत्ना की हत्या)

↳ समाचार पत्र → खण्डवा से कर्मवीर नामक समाचार पत्र

कुदण आन्दोलन :- 25 अप्रैल 1935 → धापी दादी के नेतृत्व

↳ यहां चेतराम, तुलसाराम, आशाराम शहीद हुये

↓

गूँजा → इंग्लैण्ड की संसद मे